इडा बी. वेल्स

इडा बी. वेल्स एक शिक्षक थीं, वक्ता और लेखक थीं जिन्होंने निडर होकर लिंचिंग (बिना वैध कारण के मार डालना) के बारे में लिखा था. उस ज़माने में अमरीका में गृह-युद्ध के बाद अश्वेतों को गोरों द्वारा दक्षिण में भयावह तरीके से मारा जा रहा था. इडा महिलाओं के मताधिकार आंदोलन में भी सक्रिय थीं. उन्होंने यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया कि सभी नस्लों के पुरुषों और महिलाओं के साथ उचित और समान व्यवहार किया जाए.

प्रारंभिक वर्ष

इडा बी. वेल्स का जन्म 1862 में होली स्प्रिंग, मिसिसिपी में एक गुलाम के रूप में हुआ था. जब तक वह तीन साल की हुईं, तब तक गृह युद्ध समाप्त हो चुका था और सभी गुलामों को मुक्त कर दिया गया था. वेल्स की मां एलिजाबेथ, एक दास के रूप में बड़ी हुई थीं. उन्हें उनके परिवार से बड़ी क्रूरता से अलग किया गया था. फिर उन्हें एक बागान से दूसरे बागान मालिक को बेंचा गया. उनके पिता - जेम्स, एक अश्वेत महिला दास और एक सफेद बागान मालिक के बेटे थे. यद्यपि उन्हें कुछ विशेषाधिकार प्राप्त थे फिर भी उन्हें बढ़ईगीरी सिखाई गई और उन्हें एक दास माना गया. उन्हें पता था कि मुक्ति के बाद भी, उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जाएगा और उन्हें शैक्षिक और आर्थिक क्षेत्रों में बराबरी के अवसर नहीं मिलेंगे.

वेल्स के माता-पिता ने शिक्षा को बहुत महत्व दिया. उन्होंने वेल्स और उसके भाई-बहनों को गोरों द्वारा संचालित के एक मेथोडिस्ट स्कूल में भेजा. उन्होंने वेल्स को पढ़ना-लिखना सिखाया और अपने बच्चों को कड़ी मेहनत और अच्छे शिष्टाचार के लिए प्रोत्साहित किया. माँ सख्त थीं. उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बच्चे अपना घर का काम करें और अपने स्कूल का काम भी पूरा करें.

वेल्स के माता-पिता ने मुक्ति से पहले के अपने जीवन के बारे में चर्चा की और हो रहे नए बदलावों के बारे में भी. गृहयुद्ध के बाद के युग को पुनर्निर्माण कहा जाता है. कुछ बदलाव वाकई में भयावह थे. दक्षिणी श्वेत समुदायों के कुछ लोग युद्ध हारने के कारण नाराज थे. उन्हें अपने ऊपर थोपी गयी नई जीवन शैली भी नापसंद थी.

1891 में वेल्स

A freeman, John Campbell, vainly begs for mercy from the KKK in Moore County, North Carolina, August 10, 1871

कू-क्लक्स-क्लान

उनमें से कुछ कू-क्लक्स-क्लान नाम के एक गुप्त श्वेत संगठन में शामिल हो गए थे. कू-क्लक्स-क्लान के लोग अपने से भिन्न विचार रखने वाले लोगों को आतंकित करते थे. क्लान ने कई काले लोगों पर, अपराधों का आरोप लगाया और उनपर मुकदमा चलने से पहले ही उन्हें सजा दी. कू-क्लक्स-क्लान की हिंसक गतिविधियों ने अश्वेतों को चिंतित और भयभीत किया. कोई नहीं जानता था कि क्लान कब और कहाँ मार करेगा.

डर के साये में जीने के बावजूद, जेम्स वेल्स ने राजनीतिक बैठकों में भाग लिया. उनके समूह ने अश्वेतों के लिए अधिक आर्थिक अवसरों और सुरक्षित जीवन जीने के तरीकों पर काम किया.

पीत ज्वर

सौभाग्य से, वेल्स और उसके परिवार ने, सीधे क्लान की क्रूरता का अनुभव नहीं किया. वेल्स स्कूल गईं, उन्होंने पढ़ाई की, अपने काम किए, अपने दादा-दादी से मिलने गईं और अपने परिवार की मदद की.

जब वेल्स सोलह साल की थी और टेनेसी के मेम्फिस में अपनी दादी पेगी से मिलने गई, तो उसने भयानक खबर सुनी : पीले बुखार का रोग उसके समुदाय पर छा गया था. बीमारी ने उसके माता-पिता और उसके एक भाई को मार डाला.

वेल्स तबाह हो गई. अब वो घर कैसे जा सकती थी? अगर वह भी पीले बुखार की चपेट में आ गई, तो? सभी ने उसे वापस न लौटने की चेतावनी दी. यहां तक कि यात्री ट्रेनें होली स्प्रिंग्स में रुकती ही नहीं थीं, क्योंकि लोगों को वहां पीला बुखार होने का डर था. बीमारी कैसे फैली थी? उन दिनों उसके बारे में बहुत कम लोगों को पता था. (अब हम जानते हैं कि पीला ज्वर मच्छरों द्वारा फैलता है.)

लेकिन, वेल्स ने अपना पक्का मन बना लिया था. उसके जीवित भाई-बहनों को उसकी मदद की ज़रूरत थी. वेल्स, मालगाड़ी पर चढ़कर गई. वो सुनसान गलियों के शहर में से गुज़रते हुए अपने घर पहुँची. उसके परिवार के कई लोग मारे गए थे. उसके दो भाई-बहन बीमार थे. वेल्स एक स्थानीय गोरे चिकित्सक डॉ. ग्रे, की बहुत आभारी थीं. उन्होंने, उसके परिवार की बहुत मदद की. डॉ. ग्रे ने वेल्स के पिता के बारे में भी गर्मजोशी से बात की. पीले बुखार से पहले वेल्स के पिता ने अपने समुदाय की बहुत मदद की थी.

जब महामारी का अंत हुआ, तो वेल्स परिवार के दोस्तों ने फैसला किया कि उसके भाइयों और बहनों को अलग-अलग परिवारों में भेजा जाये. और वेल्स की एक बहन यूजेनिया को - जिसे लकवा मार गया था, उसे एक गरीब-गृह में भेजा जाए. पर वेल्स ने खुद अपने सभी भाई-बहिनों की देखभाल करने की ठानी. पिता उनके लिए एक घर और थोड़ा पैसा छोड़ गए थे. अब वो कोई नौकरी ढूंढेगी और पूरे परिवार को अपने साथ रखेगी.

वेल्स ने शिक्षक बनने की परीक्षा ली, और वो उसमें पास भी हुई. बाद में उसे अपने घर से छह मील दूर पढ़ाने की एक नौकरी मिली. हफ्ते के दौरान वेल्स की दादी - पेगी, जो मदद करने के लिए होली स्प्रिंग्स आ गईं थीं घर में छोटे बच्चों की देखभाल करती थीं. जब दादी पैगी को स्ट्रोक आया तब एक पारिवारिक मित्र ने उनकी मदद की. सप्ताह के अंत में वेल्स घर आती - वो कपड़े धोती, खाना बनाती और सफाई करती. इतनी कम उम्र की महिला के लिए यह एक भारी बोझ था, लेकिन वेल्स ने अपने परिवार को जोड़े रखने के यह सब सहर्ष किया.

मेम्फिस

जब वेल्स उन्नीस साल की हुई तो उसे बदलाव की जरूरत महसूस हुई. वह अधिक पैसा भी कमाना चाहती थी, इसलिए उसने एक बेहतर वेतन वाली नौकरी खोजने के लिए मेम्फिस जाने का फैसला किया. उसके भाई-बहन अब बड़े हो गए थे और दो चाचियों ने उन्हें अपने पास रखने की पेशकश की. मेम्फिस कारखानों, बंदरगाह और रेलवे वाला भीड़-भड़ाके वाला शहर था. वहां पर अश्वेतों ने चर्च और स्कूल बनवाए थे. वहां पर अश्वेत लोग सार्वजनिक कार्यालयों में काम कर सकते थे और गोरों के साथ एक ही बस में सवारी कर सकते थे.

मेम्फिस

वेल्स को मेम्फिस के बाहर वुडस्टॉक के एक स्कूल में नौकरी मिली. वेल्स वहां ट्रेन से आती-जाती थी. उसने शहर में पढ़ा सकने के लिए टीचिंग लाइसेंसिंग परीक्षा की भी तैयारी की.

ट्रेन में एक दिन, हमेशा की तरह, वह प्रथम श्रेणी में "महिलाओं" के लिए आरक्षित सीट पर बैठ गई. लेकिन इस बार, कंडक्टर ने मांग की कि वह धूम्रपान करने वालों और अश्वेतों के लिए ट्रेन के पीछे वाले डिब्बे में जाए. वेल्स ने यह करने से इंकार कर दिया. क्योंकि उसने अपनी सीट का सही टिकट खरीदा था इसलिए वो वहाँ बैठने की हकदार थी! उसके बाद कंडक्टर ने उसका हाथ पकड़ कर उसे सीट से हटाने की कोशिश की. जैसे ही कंडक्टर ने उसे छुआ, वेल्स ने अपने हाथ से उसे मारा. स्तब्ध कंडक्टर जल्द ही अपनी मदद के लिए तीन आदमियों को वेल्स को हटाने के लिए बुलाकर लाया. उन्होंने वेल्स को खींचा जिससे उसके लिनन कोट की आस्तीन फट गई. फिर वेल्स ट्रेन से खुद नीचे उतरी.

हालाँकि वो अपने अधिकारों के लिए लड़ी थी, लेकिन यह अनुभव उसके लिए बहुत अपमानजनक था. वेल्स इस कदर नाराज थी कि उन्होंने रेलवे पर मुकदमा ठोकने के लिए एक वकील को नियुक्त किया. तभी वेल्स को मेम्फिस के एक स्कूल में पहली कक्षा को पढ़ाने की नौकरी मिली. वेल्स ने वहां पढ़ाना शुरू किया, लेकिन उस बड़े, उपद्रवी और अप्रेरित क्लास को पढ़ाने में उसे बिल्कुल मज़ा नहीं आया. फिर उसने सुना कि जिस अश्वेत वकील को उसने नियुक्त किया था, उसे रेलवे ने अदालत में केस नहीं ले जाने के लिए घूस खिलाई थी. इससे वेल्स आहत और गुस्सा हुई और उसने एक अन्य वकील को काम पर रखा. अंत में मामले की सुनवाई के बाद वेल्स को 500 डॉलर का मुआवज़ा मिला!

निडर, स्पष्ट वक्ता

वेल्स को पढ़ाना पसंद नहीं आया, लेकिन उसे मेम्फिस में रहना काफी पसंद था. वह पिकनिक, चर्च मेलों, थिएटर, संगीत समारोहों में जाती और अपने दोस्तों से खूब मिलती. उसने भाषण देने की ट्रेनिंग भी ली. वह एक लेक्चर क्लब की सदस्य बनी. उस क्लब के एक सदस्य ने उसे "इवनिंग स्टार" - नाम के एक समाचार पत्र में लिखने के लिए आमंत्रित किया. वेल्स को लिखने में मजा आया. रेल से घसीटने की घटना का वर्णन लिखने के बाद, उसे "लिविंग वे" नामक प्रकाशन ने, एक साप्ताहिक कॉलम लिखने के लिए आमंत्रित किया.

IDA J. WELLS SPEAKS

SHE DENOUNCES THE WHOLESALE LYNCHING IN TENNESSEE,

And Says It Is High Time Steps Were Taken to Make Such Crimes Impossible.

CHICAGO, Sept. 2.—Ida J. Wells, the young colored woman whose work on the lecture platform here and abroad in behalf of the anti-lynching movement has made her name well known, could scarcely restrain her emotion when she read the published account of the fate visited upon six of her race near Millington, Tenn.

"Granting that those men were guilty of the crime charged," she said, "there is no other place in the world where a capital offense is made of burning barns. I scarcely know what to say of the men who are responsible for this butchery. This last example of lynch law is but a sample of the sort of things done in the South. The white men down there do not think any more of killing a negro than they do of slaying a mad dog. This incident serves to back up the contention that the negroes are not lynched solely for the perpetration of foul crimes, notwithstanding the symposium contributed recently to a New York newspaper by a number [illegible] men, reaffirming that [illegible] never took place in [illegible] for crimes committed [illegible] children. An excuse [illegible] for the purpose of [illegible] and leaving them [illegible] the negroes they wish [illegible] of races and nations, the Southern white man vainly believes he can keep down an entire race by such methods of oppression and intimidation. The South has more than once insisted upon being left alone with the negro problem. The Nation has obligingly accommodated her, and to-day the spectacle is pre- [illegible]

वेल्स का एक लेख

यह पत्रिका अश्वेतों का चर्च प्रकाशित करता था. वेल्स का कॉलम बहुत लोकप्रिय हुआ, और जल्द ही वेल्स ने अन्य अश्वेत अखबारों के लिए भी लिखना शुरू किया. उसके लेखों की लोगों ने प्रशंसा भी की और आलोचना भी. लेकिन वेल्स लगातार लिखती रही. पुनर्निर्माण के बाद दक्षिण में "जिम क्रो" कानूनों ने अश्वेतों की ज़िंदगी और कठिन बनाई थी. वेल्स ने लिखा था कि नए "जिम क्रो" कानूनों ने ट्रेनों, रेस्तरां, स्ट्रीटकार और पार्कों में अश्वेत लोगों के अधिकारों को कैसे सीमित किया था. अमरीका के दक्षिण इलाके में अश्वेतों को गोरों से अलग बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा था.

1887 में, जैसे-जैसे अश्वेतों के लिए वातावरण तेजी से कटु और कठिन बना तभी अदालत ने रेल-केस के अपने नतीजे को वापस लिया. इस बार जजमेंट वेल्स के खिलाफ गया. अदालत ने कहा कि कंडक्टर ने वेल्स को उसकी सीट से घसीट कर हटाने में कुछ भी गलत नहीं की थी. वेल्स को गलत मुआवज़ा दिया गया था. रेलवे को वेल्स को एक पैसा भी नहीं देना था. अब वेल्स पर 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था. नए फैसले और दक्षिण के अत्याचारी रवैये से वेल्स कुचल गई थी.

1879 cartoon by Thomas Nast suggesting geographical solutions for racial injustice
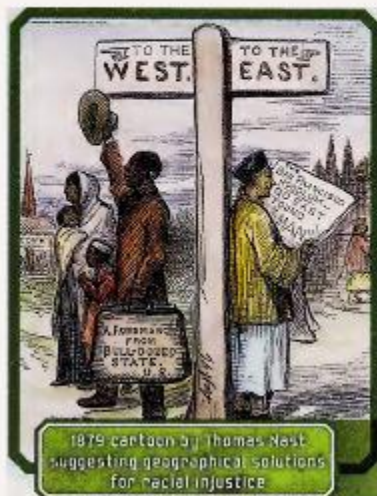
कार्टून में गोरे और अश्वेतों को अलग-अलग रहने की सलाह

1889 में, वेल्स ने एक काले अखबार - "फ्री स्पीच और हेडलाइट" में एक-तिहाई हिस्सा खरीदा. उसने अपना लेखन जारी रखा. वो अश्वेतों को हमेशा कड़ी मेहनत और पैसे बचाने के लिए प्रोत्साहित करती थीं. उन्होंने अश्वेत स्कूलों की भी आलोचना की, जिनका संचालन खराब था और वो सही प्रशिक्षण वाले शिक्षकों को काम पर नहीं रखते थे. वेल्स की राय से मेम्फिस का स्कूल बोर्ड इतना नाराज हुआ कि उसने वेल्स को, दुबारा नौकरी न देने का फैसला किया. वेल्स बहुत निराश हुई क्योंकि अश्वेत बच्चो के माता-पिता उसके पक्ष में खड़े नहीं हुए.

इडा बी. वेल्स - मुश्किलें खड़ी करने वाली

जब वेल्स ने सुना कि "न्यूयॉर्क ऐज" के संपादक टी. थॉमस फॉर्च्यून भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिए एक अफ्रीकी-अमेरिकी संगठन शुरू कर रहे हैं, तो वो बहुत रोमांचित हुईं. 1891 में वो इस संगठन के दूसरे सम्मेलन में शानदार ढंग से बोलीं. जल्द ही, यह बात तेज़ी से फ़ैली कि इडा वेल्स एक मुखर और निडर वक्ता थीं.

लेकिन उससे भी बड़ी मुसीबत अब उनके आसपास घूमने लगी थी. कुछ अश्वेतों ने कैंटकी शहर में आग लगाकर लिंचिंग का विरोध प्रदर्शन किया था. वेल्स के अखबार ने उनका समर्थन किया. इससे उस क्षेत्र के गोरों को गुस्सा आया और उन्होंने "फ्री स्पीच" और "हेडलाइट" पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया. उस अखबार के एक प्रकाशक - रेवरेंड टेलर नाइटिंगेल को हमले का दोषी ठहराया गया. पर वो ओक्लाहोमा भाग गया. वेल्स और जे. टी. फ्लेमिंग अब उस अखबार के प्रभारी थे. वेल्स अखबार का सर्कुलेशन बढ़ाना चाहती थीं उसके लिए उन्होंने आसपास के राज्यों की यात्रा की. वेल्स की गैरहाजरी में उनके दोस्त टॉम मॉस, और मेम्फिस में नए किराने की दुकान के एक मालिक को मार डाला गया. कारण? एक सफेद किराने वाले ने प्रतियोगिता का विरोध किया और लोगों को भड़काया. मॉस और उनके दोस्तों को चेतावनी दी गई थी कि एक भीड़ उनके स्टोर पर हमला करेगी, इसलिए वे खुद को हथियारबंद करें. इसके बाद हुई हाथापाई में, तीन गोरे लोग घायल हुए और काले दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया. इससे पहले कि उनपर मुकदमा चले अश्वेत दुकानदार को शहर की जेल से बाहर खींच लिया गया और उसे गोली मार दी गई.

वेल्स अपने दोस्त की हत्या पर बेहद गुस्सा थीं. वो मॉस के परिवार को सांत्वना देने के लिए घर लौट आईं. एक सम्मानजनक व्यवसाय चलाने की कोशिश कर रहे आदमी की हत्या कैसे हो सकती थी? वेल्स, मॉस को अच्छी तरह जानती थीं. वह जानती थीं कि अगर मॉस के पास कोई और विकल्प होता तो वो कभी लड़ाई में शामिल नहीं होता. मॉस और उसके दोस्तों को मारने के बाद, एक भीड़ ने अश्वेतों पर गोली चलाई, किराने की दुकान पर छापा मारा और उसे लूटकर नष्ट कर दिया.

मारने वाले गोरों की भीड़ अपने कुत्तों के साथ

अब वेल्स को कुछ तो करना ही था. उसने उस निंदनीय घटना के विरोध में अखबारों में तमाम लेख लिखे. उनका मानना था कि लिंचिंग गोरों के हाथ में एक हथियार था जिसे वे अश्वेतों को डराने और नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल करते थे. वेल्स ने सुझाव दिया कि अश्वेत, गोरे व्यवसायों का समर्थन करना बंद करें और बसों में सवारी करना भी बंद कर दें. उसने अश्वेतों को अपनी हिफाज़त के लिए मेम्फिस छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया. दो महीनों में, छह हजार अश्वेत लोग मेम्फिस छोड़ कर चले गए. श्वेत समुदाय को इस पर यकीन नहीं हुआ. वे श्रमिक और व्यापार दोनों खो रहे थे.

इस बीच, वेल्स ने लिंचिंग के बारे में अधिक पढ़ना शुरू किया. उसने जो कुछ पढ़ा, उससे वो स्तब्ध रह गई.

मेम्फिस की सड़क

लिंचिंग द्वारा कितने ही लोगों का कत्लेआम हुआ था. लिंचिंग के खिलाफ जब वेल्स ने ज़ोर-शोर से लिखा तो उसके तीखे शब्दों से श्वेत समुदाय बहुत नाराज़ हुआ और उन्होंने उसे धमकियां दीं. 1892 में, श्वेत लोगों ने वेल्स के कार्यालय पर आक्रमण किया और उसे नष्ट कर दिया. वेल्स को मेम्फिस छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा.

वेल्स को कोई नहीं रोक सकता!

उसके बाद वेल्स शिकागो चली गयीं, और उन्होंने "न्यूयॉर्क ऐज" के लिए लिंचिंग पर स्तम्भ लिखे. उन्होंने तारीखों और लोगों का ब्यौरा देते हुए बिना लाग-लपेट के लिखा. उन्होंने लिखा की बड़ी बेदर्दी से निर्दोष लोगों को मारा गया था. प्रसिद्ध अश्वेत सुधारक फ्रेडरिक डगलस ने दक्षिण में लिंचिंग की शर्मनाक कहानियों को बयां करने के लिए वेल्स के साहस की प्रशंसा की. वेल्स ने जल्द ही "साउथर्न होर्ररस" नाम का एक लेख लिखा - जो लिंचिंग के बारे में था. उनके लेखन और भाषणों ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया, और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका और इंग्लैंड और स्कॉटलैंड में भी बोलने के लिए आमंत्रित किया गया.

उस काल में किसी महिला के लिए अकेले यूरोप की यात्रा करना एक असामान्य बात थी. इसलिए वेल्स ने डॉ. जॉर्जिया पैटन के साथ यात्रा की. वो मेम्फिस में पहली अश्वेत महिला चिकित्सक थीं. दुनिया को लिंचिंग के बारे में बताने का उनका अभियान काम कर रहा था. ब्रिटेन के लोग हैरान थे. वेल्स ने ब्रिटिश एंटी-लिंचिंग समिति बनाने में भी मदद की.

अमरीका वापिस लौटने पर उन्होंने शिकागो कोलंबियन एक्सपोज़िशन में भाषण दिया. वेल्स की बातों ने कई महिलाओं को आकर्षित किया. यहां तक कि इडा वेल्स क्लब के नाम से एक क्लब भी बनाया गया जहाँ महिलाएँ चर्चा, व्याख्यान और संगीत कार्यक्रमों के लिए इकट्ठा होती थीं.

वेल्स को शिकागो पसंद आया और उन्होंने वहीं बसने का फैसला किया. लेकिन उन्होंने अपनी यात्रायें और भाषण देना जारी रखा. वह 1894 में ब्रिटेन लौटीं. कई ब्रिटिश समूहों ने अब सक्रिय रूप से लिंचिंग की निंदा की, जिससे वेल्स खुश हुईं. लेकिन अब वो अमरीका में वापिस आ गई थीं जहां उन्हें अभी बहुत कुछ करना था. अमेरिका वापिस लौटने के बाद वेल्स ने काले और सफेद दोनों समुदायों से बातचीत की. महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने वाली सुसान बी. एंथनी से उनकी मित्रता हुई और उन्होंने उनके मिशन के लिए भी काम किया.
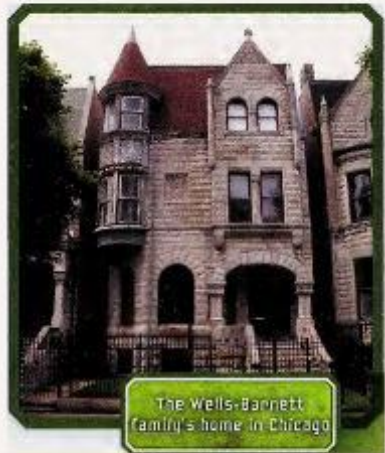
वेल्स का शिकागो वाला घर

एक बार, जब एंथनी ने वेल्स को अपने घर आमंत्रित किया, तो एंथनी के सचिव ने वेल्स का काम करने से इंकार किया क्योंकि वह अश्वेत थीं. एंथनी ने उस सचिव को तुरंत निकाल दिया. वेल्स को अपने दोस्त के अटूट समर्थन पर गर्व था.

लेकिन दो क्षेत्र ऐसे थे जिनमें उनके मत भिन्न थे. एंथनी का मानना था कि महिलाओं के अधिकारों का अश्वेत अधिकारों के साथ- साथ, समान-रूप से समर्थन किया जाना चाहिए. जब अश्वेत पुरुषों को वोट का अधिकार मिला और अश्वेत और महिलाओं को नहीं, तो एंथोनी ने उस पर नाराज़गी दिखाई. एंथोनी ने फ्रेडरिक डगलस को आमंत्रित नहीं किया क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं उससे दक्षिणी महिलाएं नाराज न हो जाएँ. वेल्स ने एंथोनी से अपनी असहमति जताई.

फ्रेडरिक डगलस

और जब वेल्स ने 1895 में एक वकील और समाचार पत्र के प्रकाशक फर्डिनेंड बार्नेट से शादी की तो एंथोनी को चिंता हुई कि कहीं विवाहित जीवन वेल्स को उनके मिशन और आंदोलन से दूर न ले जाए. कुछ अश्वेत लोग भी इस बारे में चिंतित थे.

वेल्स ने लड़ाई ज़ारी रखी

वेल्स के दोस्तों की चिंता गलत निकली. वेल्स की शादी और बच्चों ने उन्हें, उनके प्रिय कारणों के बारे में बोलने-लिखने से नहीं रोका. वेल्स ने शादी से पहले का अपना नाम भी बरक़रार रखा. उस समय की महिलाओं के लिए वो एक असाधारण कदम था. उन्होंने अपना नया नाम इडा बी. वेल्स-बार्नेट रखा.

अब वेल्स, इडा बी. वेल्स क्लब के साथ अधिक जुड़ गयीं. उस काल में उन्होंने एक नए तरह का स्कूल शुरू किया - एक बालवाड़ी.
बेटे चार्ल्स के पैदा होने के बाद भी वेल्स, क्लबों के सम्मेलनों में भाग लेने के लिए यात्रा करती रहीं और वहां भाषण देती रहीं. कभी-कभी वह चार्ल्स को अपने साथ ले जाती थीं. 1897 में, जब वेल्स का दूसरा बेटा हरमन पैदा हुआ, तब उन्होंने अपने बच्चों के साथ अधिक समय बिताने का निश्चय किया.

फर्डिनेंड बार्नेट

फिर 1898 में दक्षिण कैरोलिना के लेक सिटी में, एक अश्वेत डाकिये को गोरों ने मौत के घाट उतार दिया. एक भीड़ ने घर में आग लगाकर डाकिए और उसके शिशु को मार डाला. वेल्स उससे बहुत पीड़ित और गुस्सा हुईं. उसके बाद वो राष्ट्रपति विलियम मैककिनले से बात करने के लिए, वाशिंगटन, डी.सी. गयीं. राष्ट्रपति, उनसे बड़े सम्मान के साथ मिले और उन्होंने मदद करने की पेशकश की. पर तभी स्पेनिश-अमेरिकी युद्ध छिड़ गया और राष्ट्रपति का पूरा ध्यान युद्ध पर केंद्रित हो गया. युद्ध के कारण लोगों की लिंचिंग को रोकने में कम रुचि रही.

वेल्स अपने चार बच्चों के साथ

राष्ट्रपति
विलियम मैककिनले

हमें एक होना जरूरी है

वेल्स का मानना था कि अश्वेतों को एकजुट होना और सामान्य लक्ष्यों के लिए एक साथ काम करना बेहद महत्वपूर्ण था. लेकिन लोगों को एक साथ लाना बहुत मुश्किल काम था. लोगों के अलग-अलग एजेंडे थे. प्रसिद्ध शिक्षक और राजनीतिक नेता बुकर टी. वाशिंगटन, का नेशनल एफ्रो-अमेरिकन काउंसिल नाम का एक संगठन था. वो शिक्षा को बदलाव की कुंजी मानते थे और उनकी राजनैतिक कार्रवाई में कम रुचि थी. वेल्स अधिक क्रांतिकारी विचारों की थीं. वो राजनैतिक बदलाव चाहती थीं. वो मानती थीं कि कानून बदले बिना अश्वेतों को उचित व्यवहार न्याय कभी नहीं मिलेगा. कुछ लोग उन्हें बहुत गर्म मिज़ाज़ मानते थे. वेल्स के ग्रुप के अंदर भी सत्ता की लड़ाई छिड़ी और आपसी मतभेदों के कारण उनका ग्रुप कमज़ोर पड़ा. फिर उनका ग्रुप सामूहिक रूप से सफल काम नहीं कर पाया.

1901 में, वेल्स की बेटी इडा का जन्म हुआ और 1904 में, एक और बेटी, अल्फ्रेडा का जन्म हुआ. वेल्स का परिवार शिकागो में गोरों के पड़ोस में जाकर रहने वाले पहले अश्वेत परिवारों में से एक था, लेकिन गोरे अपने नए पड़ोसियों से खुश नहीं थे. कभी-कभी वेल्स के लड़कों का स्थानीय सफेद लड़कों के साथ झगड़ा और विवाद भी होता था. वेल्स के कई सफेद पड़ोसियों ने उनके साथ बराबरी का सलूक नहीं किया. लेकिन उसके बावजूद वेल्स के परिवार ने अपने नए घर में संगीत सुनने और मित्रों को खाने के लिए आमंत्रित करके अच्छा समय बिताया.

दंगा

1908 में, स्प्रिंगफील्ड में दंगे भड़क उठे. इलिनोइस में गोरे लोगों ने अश्वेत लोगों के घरों और दुकानों को जलाया. तीन अश्वेतों को मार डाला गया. यह स्पष्ट था कि कुछ गोरे लोग, शहर से अश्वेतों को निकालना चाहते थे. वेल्स को लगा कि हिंसा को रोकने के लिए अश्वेत पर्याप्त संघर्ष नहीं कर रहे थे. वेल्स ने वहां के निवासियों ने एक नया संगठन शुरू किया जो अंततः नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल (NAACP) के नाम से जाना गया. अश्वेतों के लिए निष्पक्षता का समर्थन करने वाले कई गोरों ने भी NAACP का समर्थन किया.

बुकर टी. वाशिंगटन
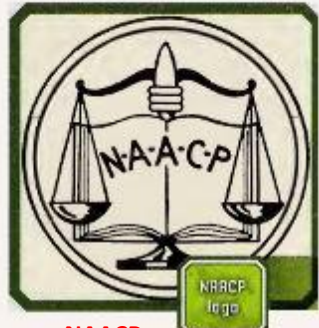
NAACP

1909 साल में पतझड़ के समय, इलिनोइस के कैरो शहर में एक और लिंचिंग हुई. एक बेघर अश्वेत व्यक्ति को अपराध के लिए गिरफ्तार किया गया, लेकिन उसे ट्रायल के लिए कचेहरी में कभी नहीं लाया गया. एक भीड़ ने उसे ढूंढ निकाला और उसे मार डाला. मामले की तहकीकात करने के लिए वेल्स कैरो गईं. वहां उन्होंने पाया कि शेरिफ ने अश्वेत आदमी की रक्षा नहीं की थी. वेल्स ने कैरो की अदालत मी जाकर एक भाषण दिया. उनका भाषण इतना प्रभावशाली था कि अदालत में हर गोरे व्यक्ति ने उनके साथ हाथ मिलाया. इलिनोइस के गवर्नर ने भी उनका समर्थन किया. उन्होंने वादा किया कि उनके राज्य में नस्ल पर आधारित और क़त्ल नहीं होंगे. और ऐसा हुआ भी.

वेल्स, महिलाओं के अधिकारों के लिए भी लड़ती रहीं. मार्च 1913 में, मताधिकार आंदोलन में कुछ श्वेत महिलाओं ने अश्वेत महिलाओं से वाशिंगटन में अलग से मार्च करने को कहा. वेल्स ने ऐसा करने से इंकार किया. इसके बजाय, वह इलिनोइस समूह में शामिल हुईं जिसने अश्वेतों का स्वागत किया. वेल्स ने परेड में उनके साथ कंधे से कन्धा मिला कर मार्च किया.

इडा बी. वेल्स

प्रथम विश्व युद्ध के बाद, वेल्स ने प्रखर रूप से बोलना जारी रखा. जब वह अपने परिवार के साथ शिकागो के एक समृद्ध पड़ोस में रहने गए तो गोरों ने उस इलाके के कुछ काले परिवारों के घरों पर बमबारी की. 1919 में, दंगे भड़क उठे, जिससे अश्वेतों और गोरों के बीच तनाव पैदा हुआ. उसके बाद हुई हिंसा में पांच सौ से अधिक लोग घायल हुए.

जहाँ भी अश्वेतों या महिलाओं के साथ अन्याय होता वहां वेल्स अपनी आवाज़ उठाती थीं. 1930 में उन्होंने इलिनोइस राज्य के सेनेटर पद के लिए इलेक्शन भी लड़ा. उस समय उन्होंने अपनी आत्मकथा भी लिखी. वह अपने जीवन की कहानी बताना चाहती थीं, क्योंकि वो ही इस काम को सही रूप से कर सकती थीं.

25 मार्च, 1931 को, किडनी फेल होने से इडा बी. वेल्स की मृत्यु हुई. शिकागो में स्थित उनका घर अब एक राष्ट्रीय स्मारक है. 1990 में अमरीका के डाक विभाग ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट ज़ारी किया.

समाप्त